फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 72 संख्याः 356 प्रभात जयपुर, रविवार 31 जुलाई, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Passages through power I Irritated Them...

The plans were changed and the arrested preacher was flown into Delhi. I am convinced that I saved his life.

MEMORIES: A Tryst with Rafi

Covid Antibodies In Eggs | Deploying antibodies for effective treatment

कॉमनवैल्थ गेम्स में 30 जुलाई का दिन भारत के लिए बहुत शानदार रहा। देश को वेटलिफ्टिंग में तीन पदक मिले हैं, मीराबाई चानू ने एक बार फिर भारत को गोल्ड मैडल दिलाया है। ओलंपिक की सिल्वर मैडलिस्ट मीराबाई चानू ने 49 कि.ग्रा वेट कैटिगिरी में गोल्ड हासिल किया है। चानू ने दो राउण्ड में कुल मिलाकर 201 किलोग्राम वजन उठाया और भारत को स्वर्णिम सफलता दिला दी। इसके साथ ही संकेत महादेव सरगर ने 55 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर व गुरुराजा पुजारी ने 61 किलोग्राम वर्ग में ब्रोंज मैडल अपने नाम किया। संकेत ने स्नैच में 113 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 135 कि.ग्रा. भार उठाया। इस तरह कुल 248 कि.ग्रा भार उठाकर सिल्वर मैडल जीता। संकेत सिर्फ एक किलो के अंतर से गोल्ड नहीं जीत सके।

'बाद में मत कहना, हमने आपको चेतावनी नहीं दी थी'

1962 में चीन ने भारत से फिर 1979 में वियतनाम से युद्ध छेड़ा था और युद्ध के पहले दोनों देशों, भारत व वियतनाम को यह वाक्य सुनाया था

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। यह वर्ष 1962 था जब चीन ने भारत से सीमाई युद्ध लड़ा और वर्ष 1979 में चीन ने वियतनाम से युद्ध किया। इन दोनों ही वर्षों में चीन में चीन के पीपल्स डेली ने टिप्पणी की थी।

''यह मत कहना कि हमने आपको चेतावनी नहीं दी थी''

इसी वाक्यांश को अब चीन के थिंक टैंक्स द्वारा दोहराया गया है, जिन्होंने अमेरिका को चेतावनी दी है कि यदि अमेरिकी संसद की स्पीकर नैंसी पेलोसी अपने वर्तमान एशिया दौरे के दौरान ताइवान द्वीप की यात्रा करती हैं तो चीन के पास अर्थव्यवस्था से लेकर कूटनीति तक की व्यापक बदले की कार्रवाइयां और सैन्य विकल्प खुले हैं।

विश्लेषकों द्वारा इस धमकी की व्याख्या की जा रही है, जिसका तात्पर्य है कि नैंसी पेलोसी को ताइवान के एयर स्पेस में लाने वाले किसी भी एयरक्राफ्ट को मार गिराया जाएगा।

- **अब चीन ने यह वाक्य अमेरिका को भी कहा है। चीन ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि, अगर अमरीकी हाऊस की स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने ताइवान की यात्रा की तो, चीन की सेना चुपचाप नहीं बैठेगी।**
- **इसका कूटनीति भाषा में अर्थ होता है कि, चीन पेलोसी के हवाई जहाज को मार गिरायेगा।**
- **इस सीधी धमकी के उत्तर में अमेरिका का क्या रूख रहेगा? क्या अमेरिका चुपचाप पेलोसी की यात्रा रद्द करायेगा?**
- **चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, पेलोसी अमेरिका की वरीयता की दृष्टि से तीसरे नम्बर की वरिष्ठ राजनीतिक हस्ती होने के बावजूद, यदि ताइवान की यात्रा करती हैं तो, चीन व अमेरिका के बीच कूटनीतिक संबंधों का आधार, ''एक चीन सिद्धांत'' का उल्लंघन होगा। अगर अमेरिका अपने दुःसाहस पर अड़ा रहा तो, चीन की सेना भी चुपचाप नहीं बैठी रहेगी।**

यदि इसे ताइवान के प्रश्न पर शी की अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन को दी गई चेतावनी के साथ पढ़ा जाए तो चीन की सेना के मारकाट के इरादे स्पष्ट हो जाते हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिंनपिंग ने गुरूवार की रात्रि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की, जिसमें उन्होंने ताइवान मुद्दे की गंभीरता और महत्व को लेकर एक बार फिर से चेतावनी देते हुए कहा कि ''जनता की राय की अवज्ञा नहीं की जा सकती। जो लोग आग से खेलते हैं वे उसी में जलकर मर जाते हैं। उम्मीद है कि इसको लेकर अमेरिका सजग हो जाएगा।''

विशेष रूप से चीन की रक्षा सेनाओं ने यह जता दिया है कि यदि पेलोसी ताइवान का दौरा करती हैं तो उसकी पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पी.एल.ए.) हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठी रहेगी। चीन का राष्ट्रीय मीडिया कहता है कि संकेत ये हैं कि पी.एल.ए. सभी परिदृश्यों में पूर्ण रूप से तैयार है।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस सप्ताह की शुरूआत में खबर दी थी कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि क्या अमेरिका चीन की धमकियों के मद्देनजर पेलोसी का दौरा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महंगाई पर बहस

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। सरकार के कीमत वृद्धि पर बहस से इंकार और इसे लेकर संसद के शीतकालीन सत्र में दोनों सदनों में विपक्ष के शोर शराबे से एक पखवाड़े तक कामकाज ना होने के बाद लोकसभा के ऐजेण्डे के अंत में सोमवार के लिए एक बहस सूचीबद्ध की गई है। इस विषय पर शिवसेना के विनायक राउत और कांग्रेस के मनीष तिवारी के प्रस्ताव पर नियम 193 के अन्तर्गत सूचीबद्ध की गई है। यह बहस राज्यसभा के एजेण्डे में अब भी सूचीबद्ध नहीं है, लेकिन कीमत वृद्धि पर सरकार को

- **लोकसभा में सोमवार को महंगाई पर बहस करवाई जाएगी। उम्मीद है कि लोकसभा की कार्यवाही सुचारू रूप से चलेगी।**

बहस कराने के लिए अन्ततः बाध्य करने के बाद विपक्ष दोनों सदनों में गतिरोध समाप्त कर सकता है। तथापि लोकसभा का प्रस्ताव खाद्य पदार्थों पर हाल ही बढ़ाई गई जी.एस.टी. दरों पर मौन है, जिसने विपक्ष को उद्वेलित किया था।

यह यद्यपि स्पष्ट नहीं है कि कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी द्वारा इस सप्ताह की शुरुआत में मीडिया से बातचीत के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ''राष्ट्रपत्नी'' बताने को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के बीच वाक् युद्ध जारी रहेगा या नहीं। हालांकि चौधरी ने राष्ट्रपति से व्यक्तिगत रूप से माफी मांगने का समय ना मिलने के बाद उन्हें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तराखण्ड भाजपा

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को महेन्द्र भट्ट को उत्तराखंड की प्रदेश भाजपा इकाई का

- **भाजपा के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने उत्तराखण्ड भाजपा अध्यक्ष पद पर महेन्द्र भट्ट की नियुक्ति की है।**

नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। वे मदन कौशिक का स्थान लेंगे।

भाजपा के महासचिव और मुख्यालयो के प्रभारी अरूण सिंह ने यह घोषणा की।

'मेघालय में भाजपा अध्यक्ष ''सैक्स रैकेट'' में लिप्त'

पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि, उनके तीस कमरे वाले फॉर्म हाऊस से 73 व्यक्तियों को छुड़ाया गया, इनमें 23 महिलाएं व पांच बच्चे शामिल हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। कांग्रेस ने भाजपा के मेघालय उपाध्यक्ष बर्नार्ड मारक के सैक्स रैकेट की जांच कराने की शनिवार को मांग की। इस रैकेट का खुलासा तब हुआ जब पुलिस ने वैस्ट गारो हिल्स जिले के तूरा की सरहद स्थित उनके 30 कमरों के फार्म हाउस पर छापा मारा। इसमें 73 लोगों को मुक्त कराया गया, जिसमें 23 महिलाएं और 5 बच्चे शामिल थे।

कांग्रेस ने कहा कि फार्म हाउस में छापे का नेतृत्व करने वाले वैस्ट गारो हिल्स के एस.पी. विवेकानंद सिंह राठौड़ ने कहा था कि मारक के तार फरवरी में हुए एक अपराध से जुड़े हुए हैं जिसमें दो नाबालिक लड़कियों को फार्म हाउस में ले जाया गया और उनसे एक हफ्ते तक कई बार बलात्कार किया गया।

पार्टी प्रवक्ता अजोय कुमार ने शनिवार का यहां एक प्रैस कांफ्रैंस में

- **उपाध्यक्ष बर्नाड मारक फरार हो गये थे, पर पुलिस ने उन्हें हापुड़ में गिरफ्तार किया।**
- **भाजपा ने इसे, नैशनल पीपल्स पार्टी की सरकार की प्रतिशोध से की गयी कार्यवाही बताया।**

बताया कि मेघालय पुलिस को छापे के दौरान विस्फोटक और परम्परागत हथियार मिले थे जिनमें 35 जिलेटिन छड़ें, 100 डिहोनेटर्स, 4 धनुष और 15 तीर शामिल थे। छापे में शराब की 400 बोतलें और गर्भ निरोधकों के 500 से अधिक प्रयुक्त पैकिट बरामद किए गए थे।

उन्होंने बताया कि मारक फरार हो गए थे, लेकिन उन्हें उत्तर प्रदेश के हापुड़ में पकड़ लिया गया और मंगलवार को तूरा में उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया। छापे के दौरान मुक्त करायी गई एक नाबालिग लड़की की मैडिकल जांच में जब यह पाया गया कि उसके साथ कई बार बलात्कार किया गया है, उसके बाद उनके विरूद्ध पोक्सो में मुकदमा दर्ज किया गया।

डॉ. अजोय कुमार ने कहा कि बर्नार्ड मारक के विरूद्ध आरोपों की एक हिस्ट्री है और उनके खिलाफ 25 आपराधिक केस दर्ज हैं। वह एक प्रतिबंधित उग्रवादी एवं विद्रोही संगठन आचिक नैशनल वोलान्टेयर काउन्सिल (ए.एन.वी.सी.-बी.) के स्व घोषित अध्यक्ष के थे, लेकिन वे अब भी व्यापारियों से धन ऐंठने, हथियारों की स्मग्लिंग, अवैध रूप से शराब और लॉटरी टिकट बेचने और दूसरों की सम्पत्तियों पर कब्जा करने जैसी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा ''लेकिन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इन्कम टैक्स रिटर्न

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। इन्कम टैक्स विभाग के ट्वीट्स से संकेत मिलता है कि इन्कमटैक्स रिटर्न (आई.टी.आर.) भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई ही रहेगी इसे आगे नही बढ़ाया जाएगा। क्योंकि विभाग लगातार आई.टी.आर भरने और विलम्ब शुल्क से बचने के लिए कह रहा

- **इन्कम टैक्स विभाग के ट्वीट्स से स्पष्ट संकेत मिलता है कि, आई.टी.आर. फाइल करने की अंतिम तिथि, 31 जुलाई को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।**

है। नवीनतम ट्वीट कहता है कि 28 जुलाई तक 4.09 करोड़ आई.टी.आर. फाडल की जायुकी है जिनमे से 30 लाख से ज्यादा 28 जुलाई को फाइल की गई। जो लोग रविवार को अंतिम तिथि बढ़ाने की बात कर रहे थे वे परेशान हो सकते है। अभी तक जो रिटर्न फाइल हुई है उनकी संख्या पूर्व वित्तीय वर्ष में ऑडिट आई.पी.आर. की संख्याए से 1.7 करोड़ कम है।

वर्ष 2021-22 में कुछ 6.68

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अगर सभी राजस्थानी व गुजराती मुम्बई छोड़ गये तो, यहां कुछ पैसा नहीं बचेगा'

महाराष्ट्र के राज्यपाल के इस कथन के खिलाफ उपराष्ट्रपति पद की विपक्ष की उम्मीदवार मारग्रेट अल्वा जबरदस्त आक्रमक हुईं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की इस टिप्पणी की कड़ी आलोचना हुई है कि ''यदि सारे गुजराती और राजस्थानी राज्य से चले जाएं तो मुम्बई या ठाणे में धन नाम की चीज ही नहीं बचेगी।'' उनकी भर्त्सना करने वालों में उप राष्ट्रपति पद के लिए संयुक्त विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा सबसे आगे रहीं।

शिव सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने राज्यपाल कोश्यारी की आलोचना करते हुए उन पर आरोप लगाया कि वह हिन्दुओं को बांट रहे हैं। क्षमा की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि यह ''मराठी मानुष'' का अपमान है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ

- **मारग्रेट अल्वा ने राज्यपाल कोशियारी के इस कथन के लिये बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को भी दोषी बताया। श्रीमती अल्वा के अनुसार, धनखड़ ने यह रास्ता प्रशस्त किया है। विवाद उत्पन्न करना, बेवकूफी पूर्ण टिप्पणी करना और अपने आपको ''एक्स्ट्रा कॉन्स्टिट्यूश्नल अथॉरिटी'' जताने वाला राज्यपाल पुरस्कृत होता है।**
- **महाराष्ट्र के पूर्व मु.मंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्यपाल कोशियारी की टिप्पणी को ''मराठी मानुस'' का अपमान बताया।**
- **मु.मंत्री शिंदे ने कहा, ये राज्यपाल की व्यक्तिगत टिप्पणी है, मैं इससे सहमत नहीं हूँ।**

शिंदे ने रक्षात्मक रूख का विकल्प अपनाते हुए कहा कि यह राज्यपाल की व्यक्तिगत टिप्पणियां हैं और वह उसका समर्थन नहीं करते।

कल एक भाषण के दौरान महाराष्ट्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'यू.पी. प्रशासन का योगी मॉडल कर्नाटक में नहीं चल सकेगा'

कर्नाटक में सिविल सोसायटी के अगुवा, सुप्रीम कोर्ट के वकील के.वी. धनञ्जय और पूर्व डी.जी.पी. आर.के. दत्ता ने कहा, कर्नाटक के निवासी अपने अधिकारों के प्रति बहुत जागरूक हैं

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवाराज बोम्मई द्वारा आतंकवादियों और अपराधियों से निपटने के लिए योगी मॉडल अपनाए जाने की बात अगले स्तर पर पहुंच गई जब राज्य के उच्च शिक्षामंत्री सी.एन. अश्वथ नारायण ने घोषणा की कि पार्टी कार्यकर्ताओं की हत्या करने वाले आरोपियों का एनकाउंटर किया जा सकता है।

भाजपा कार्यकर्ता व नेता और दक्षिणपंथी समूह अपने कार्यकर्ताओं की हत्या पर काफी नाराज हैं, इन समूहों को शांत करने के लिए मुख्यमंत्री और उनके सहयोगियों के बयान से राज्य का सभ्य समाज हतप्रभ है और स्तब्ध है तथा कानून व्यवस्था की स्थिति से निपटने के इस नितांत गैर कानूनी तरीके के सुझाव से बेहद आशंकित हैं।

सुप्रीम कोर्ट के वकील के.वी. धनंजय का मत है कि जिस किसी का भी दिमाग संतुलित है वह राज्य की संवैधानिक अथॉरिटी द्वारा प्रस्तावित अवैध कार्यों और धमकाने की प्रवृति का समर्थन नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा, इस तरह के बयानों से हैरानी होती है कि इतने ऊंचे पदों पर बैठे लोगों को संविधान, कायदे-कानून और नियमों की कोई समझ भी है या नहीं।

धनंजय ने कहा, पहले ही गुंडा एक्ट, यू.ए.पी.ए. जैसे कड़े कानून लागू हैं और यहां तक कि अदालतों ने भी ऐसे मामलों में सरकार का समर्थन किया।

फिर एनकाउंटर की जरुरत क्यों है? अपराधियों को गिरफ्तार करके जांच की जा सकती है और कानून के अनुसार मुकदमा चलाया जा सकता और मौत की सजा दी जा सकती है।

- **दोनों ने यह भी कहा कि, एनकाउन्टर व जे.वी.सी. से ''क्रीमिनल्स'' के घरों को गैर कानूनी तरीके से धराशायी करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि गुण्डा एक्ट, यू.ए.पी.ए. एक्ट आदि सख्त कानून पहले ही उपलब्ध हैं, अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों से निपटने के लिये।**
- **यह माना जा रहा है कि, मु.मंत्री बसवाराज बोम्मई व उच्च शिक्षा मंत्री सी.एन. अश्वथ नारायण ने ''क्रिमिनल्स'' का एनकाउन्टर करने व उनके मकान ध्वस्त करने की बात अपनी पार्टी के कट्टरपंथियों को शांत करने के लिये कही है, क्योंकि ये लोग अपने साथी कार्यकर्ताओं की लगातार हो रही हत्या से अत्यन्त आक्रोशित हैं।**

इस तरह के बयानों पर कर्नाटक के पूर्व डी.जी.पी. आर. के. दत्ता गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि जहां तक पुलिस का सम्बंध है, सिर्फ संविधान का ही मॉडल है। मैं कोई और मॉडल नहीं जानता। इस तरह के बयान मुझे समझ में नहीं आते। क्या आप कानूनी प्रक्रिया के बिना किसी के घर पर बुलडोजर चला सकते हैं?

सुप्रीम कोर्ट कई फैसले हैं, जिनका कानून के रुप में पालन किया जा सकता है। यहां तक कि संविधान भी अनुच्छेद 21 के तहत जीवन का अधिकार प्रदान करता है, जिसमें घर और व्यक्ति की गरिमा भी शामिल है अगर आप देश के संविधान और कानून का उल्लंघन करते हैं तो कौन आपकी मदद कर सकता है?''

दत्ता ने भी हैरानी जताई कि कोई भी कैसे कह सकता है कि आरोपी का एनकाउंटर किया जा सकता है। मेरे सामने कभी भी एनकाउंटर जैसा शब्द नहीं आया।

कोई भी व्यक्ति यह कैसे कह सकता है कि हम एनकाउन्टर करेंगे। एनकाउन्टर जब होता है तो इसे पहले से नहीं बताया जा सकता है, वरना यह हत्या है।

दत्ता ने यकीन से कहा कि इस तरह की कार्यवाही कर्नाटक में कारगर नहीं होगी, खासकर दक्षिणी और पश्चिमी कर्नाटक में जहां लोग अपने अधिकारों के लिए जागरुक हैं। कर्नाटक में यह कहीं भी कारगर नहीं होगी, कहीं भी कारगर नहीं होगी। अगर कुछ कारगर है तो वह है देश के विधान के तहत लागू कानून की धाराएं।

भाजपा के समर्थक भी मानते हैं कि ऐसी बाते पार्टी के हित के खिलाफ है।

अपनी सरकार और मंत्रियों का बचाव करते हुए भाजपा की कर्नाटक इकाई के प्रवक्ता एस. प्रकाश ने कहा कि ''मंत्री ऐसा कभी नहीं कहा कि हम एनकाउन्टर करेंगे। उन्होंने यही कहा कि जरुरत पड़ी तो हम एनकाउन्टर से हिचकिचाएंगे नहीं। मंत्री ने कन्नड में कहा था, और उसके अनुवाद में गड़बड़ हो गई। भाजपा नेता ने कहा, हम ये मॉडल वो मॉडल नहीं जानते हम न्याय चाहते हैं। यूपी से काफी खबरे आ रही हैं कि कैसे बड़े-बड़े माफिया ठंडे पड़ गए हैं, इसलिए यहां भी इसकी चर्चा हो रही है।''